जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

11 अप्रैल 2020

प्रेस विज्ञप्ति

कोविड-19 लॉकडाउनः जामिया अध्यापकों के लिए दूसरा फैकल्टी डेवलपमेंट वेबिनार आज से शुरू

जामिया मिल्लिया इस्लामिया अध्यापकों के लिए दो दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट वेबिनार प्रशिक्षण का दूसरा बैच आज (11-12 अप्रैल, 2020) शुरू हुआ। इसका उद्घाटन जेएमआई की कुलपति प्रोफेसर नजमा अख्तर ने किया। ऑनलाइन टीचिंग के लिए चार क्षमताओं के निर्माण संबंधी कार्यक्रम को आयोजित करने वाला जेएमआई पहला विश्वविद्यालय है।

वेबिनार के लिए खुद को रजिस्टर कराने वाले 225 डीन, निदेशकों, विभागों के प्रमुखों, प्रोफेसरों और अन्य फैकल्टी सदस्यों को इसमें हिस्सा लेने के लिए ई-निमंत्रण भेजा गया था।

जेएमआई बिरादरी के लिए, कुछ मिनट की विलंबता के साथ, यह प्रोग्राम लाइव स्ट्रीम किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के एफटीके-सेंटर फॉर इंफॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा फैकल्टी सदस्यों और अन्य अधिकारियों के साथ ईमेल के ज़रिए स्ट्रीम लिंक साझा किया गया था।

पहले बैच की अपार सफलता के बाद, विश्वविद्यालय ने आज शुरू हुए दूसरे बैच सहित तीन अन्य वेबिनार बैच आयोजित करने का फैसला किया है।

ऑनलाइन टीचिंग के लिए चार बैक टू बैक क्षमता निर्माण कार्यक्रम / वेबिनार आयोजित करने वाला जेएमआई पहला विश्वविद्यालय है। किसी अन्य विश्वविद्यालय ने अब तक इतने बड़े स्तर पर ऐसी पहल नहीं की है।

यूनिवर्सिटी बहुत जल्द अन्य विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों के लिए भी ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू करेगी।

पहले बैच में हिस्सा लेने वालों से राय लेने के बाद, फैकल्टी सदस्यों को ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन में महारत हालिस करने के लिए दो और अभ्यास सत्र भी आयोजित किए गए थे।

ऑनलाइन टीचिंग को सीखने के लिए फैकल्टी सदस्यों की उच्च मांग और रुचि को ध्यान में रखते हुए 15-16 अप्रैल और 18-19 अप्रैल, 2020 को दो और वेबिनार की योजना बनाई गई है। जेएमआई के सभी फैकल्टी सदस्यों को https://forms.gle/ibqqSW9aG81DPUU59 पर वेबिनार में रेजिस्ट्रेशन कराने के लिए आमंत्रित किया जाता है। 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर भागीदारी की पुष्टि की जाएगी।

कोविड-19 के चलते लॉकडाउन प्रतिबंधों को देखते हुए पहले बैच के प्रशिक्षण पाने वालों ने छात्रों को पढ़ाने के लिए इस मंच का प्रभावी उपयोग करना शुरू कर दिया है।

पहले बैच में प्राप्त प्रशिक्षण के बाद डीन, और विभागाध्यक्षों सहित कई अधिकारियों ने अपने कर्मचारियों के साथ ऑनलाइन बैठकें कीं।

सोशल वर्क विभाग की ओएचडी, प्रो अर्चना दस्सी ने आयोजकों को दिए अपने संबोधन में कहा, "मैं बिना किसी परेशानी के ऑनलाइन मीटिंग आयोजित कर सकती हूं। मेरे सभी सहकर्मी, जिनमें मेहमान शिक्षक शामिल थे, वे भी इसमें शामिल हुए। इसमें भाग लेने वाले 24 सदस्य थे। हम अपने क्षेत्र प्रशिक्षण कार्यक्रम, रिसर्च डिसर्टेशन और साथ ही मध्य सेमेस्टर परीक्षा से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं।

कुल मिलाकर, प्रशिक्षण ने हमें अच्छे परिणाम दिखाए हैं। यह वास्तव में एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम था जिसने हमें संकट की इस घड़ी में अपने सहयोगियों और छात्रों तक पहुंचने का असरदार ज़रिया दिया है। मैं वीसी मैडम, प्रोफेसर फुरकान और डॉ एसके नकवी को धन्यवाद देना चाहती हूं कि उनकी सीआईटी टीम ने इस एफडीपी की कल्पना को मूर्त रूप दिया।"

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की प्रो सबा खान ने कहा, "आज इस मंच पर मेरी पहली कक्षा थी और मुझे छात्रों से बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। एफटीके-सेंटर फॉर इंफॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी ने तकनीक संबंधी चिंताओं को दूर करने और इसके सहज उपयोग के उद्देश्य से पहले बैच के प्रतिभागियों के लिए फॉलोअप सत्र आयोजित किया।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक